भाकृअनुप - केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

जून 2026 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियाँ

ग्रीष्मकालीन चावल

- जब बाली के 80-85% दाने पक चुके हों, धान की फसल की कटाई करें ताकि दाने झड़ने से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।
- बीज के बेहतर भंडारण अवधि के लिए इसे 12% नमी तक सूखाना चाहिए।
- धान/चावल को सुरक्षित रखने के लिए 'सुपर ग्रेन बैग' का इस्तेमाल करें। यह लंबे समय तक इसकी गुणवत्ता, बनावट, रंग, गंध और स्वाद को बनाए रखने में मदद करता है एवं कीड़ों के हमले से भी बचाता है। या फिर, कटी हुई धान को सही ढंग से बोरियों में भरकर और ढककर रखें ताकि उसे नुकसान न पहुँचे।
- भंडारित अनाजों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड की 3 टिकियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) की दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास घरों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। टिकिया को स्टैक में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत / चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।
- अगर चूहों की समस्या दिखे, तो फसल वाले खेत और आस-पास के इलाकों में उनके बिल का पता लगाएं। हर बिल में एल्युमीनियम फॉस्फाइड 6% की एक गोली (12 ग्राम) डालें और बिल को मिट्टी से बंद कर दें; इससे चूहे मर जाएंगे।
- मिट्टी में पनपने वाले कीड़ों, खरपतवार और बीमारियों के कीटाणुओं को धूप में लाने के लिए खेत की गहरी जुताई करें। मॉनसून के दौरान वर्षा का पानी बचाने के लिए खेत की मेड़ों की मरम्मत करें और उन्हें मजबूत बनाएं। संतुलित खाद के इस्तेमाल के लिए मिट्टी की जांच करवाएं। जहां भी संभव हो, जून के महीने में धान के खेतों की मेड़ों पर अरहर की बुवाई की जा सकती है।
- चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में ग्रीष्मकालीन वर्षा हो चुकी है, इसलिए खरीफ चावल के लिए सूखी नर्सरी के लिए प्रारंभिक भूमि की तैयारी की जानी चाहिए।
- धान की नर्सरी के लिए ज़मीन तैयार करने का काम मई के आखिर या जून के पहले हफ़्ते तक शुरू कर दें।

शुष्क सीधी बुआई चावल

- ऊपरीभूमि सीधी बीज वाली धान के लिए, बीजों को सीड ड्रिल सहित या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल द्वारा या देशी हल के पीछे से 15 सेंटीमीटर की दूरी पर

जुताई करें। बीज को 4-6 सेमी की गहराई में रखा जाना चाहिए। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर 24-30 किग्रा/एकड़ दर से अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।

- सीधी बुआई वाले चावल में अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर खाद 8 क्विंटल / एकड़ की दर से प्रयोग करें।
- मुख्य खेत में बुआई करने से पहले, बीज को ट्राइकोडर्मा डस्ट सूत्रण 10 ग्राम / किग्रा बीज की दर से या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए किसी अन्य बीज उपचार रसायन के साथ उपचारित किया जाना चाहिए।
- फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा 12 किग्रा प्रति एकड़ (75 किग्रा एसएसपी या 27 किग्रा डीएपी + 20 किग्रा एमओपी) को हल के पीछे से या ऊपरी भूमि चावल में उर्वरक सह बीज ड्रिल द्वारा आधारी खुराक के रूप में डालें।
- मध्यम/अर्ध-गहरा और गहरा जल वाले चावल पारिस्थितिकी में जहां सीधी बुवाई प्रथा अपनाया जाता है, भूमि की अंतिम तैयारी के समय 2-3 बार कल्टीवेटर का उपयोग करें ताकि एक अच्छी जुताई हो सके और उचित भूमि समतल हो सके। हल्की मिट्टी वाली स्थिति में ट्रैक्टर से खींचे गए रोटावेटर का उपयोग बारीक जुताई प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।
- मध्यवर्ती गहरा जल के लिए बीजों को सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 20 X15 सेमी की दूरी पर बोएं। बीज को 4-6 सेमी की गहराई में रखें। 18-20 किग्रा/एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।
- अर्ध गहरा और गहरा जल में सीधे बोए गए चावल के क्षेत्रों में जहां टॉप ड्रेसिंग संभव नहीं है, अंतिम भूमि की तैयारी के समय नत्रजन, फोस्फोरस और पोटाश 16:8:8 किग्रा / एकड़ की दर से संपूर्ण मात्रा आधारी मात्रा के रूप में 17.5 किग्रा डीएपी + 13.5 किग्रा एमओपी + 30 किग्रा यूरिया डालें।

प्रतिरोपित खरीफ धान

- प्रतिष्ठित प्रक्षेत्रों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से उथली निचली भूमि में रोपित चावल के लिए गीतांजलि, सीआर सुगंधधान 907 सीआर सुगंधधान 908 सीआर सुगंधधान 907 एवं सीआर सुगंधधान 910 किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज का उपयोग करें।
- प्रतिरोपित धान में हरी खाद के लिए आरंभिक भुमि तैयारी के बाद, अच्छी गुणवत्ता वाले ढैंचा के बीज 12 किग्रा./एकड़ की दर से बोयें।
- बुआई से पहले कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी (बाविस्टिन/गोल्डस्टिन) 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज या कप्टान 50% (कैपगोल्ड/कैप्टारा) या थिरम 75% (थिरम 75/थिरॉक्स) 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। बीज उपचार के लिए 10

ग्राम/किलोग्राम बीज के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों/दुकानों से जैव कारक फॉर्मूलेशन जैसे ट्राइकोडर्मा धूल का उपयोग किया जा सकता है।

- चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में ग्रीष्मकालीन वर्षा हो चुकी है, इसलिए भूमि की तैयारी की जानी चाहिए, जहां नर्सरी एवं खरीफ धान की खेती की जानी है।
- निम्नलिखित अधिक उपज देने वाली बीज किस्में अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित फार्मों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त की जा सकती हैं।

निचली भूमि एवं गहरा जल	ऊपरीभूमि एवं ऐरोबिक धान	मध्यवर्ती एवं प्रतिरोपित धान	बाढ़ प्रवण एवं उथली निचलीभूमि प्रतिरोपित धान	तटीय लवणीय क्षेत्र	सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि
सीआर धान 501 सीआर धान 510 सीआर धान 511 सीआर धान 512 सीआर धान 500 सीआर धान 502 सीआर धान 503 सीआर धान 505 सीआर धान 507 सीआर धान 508 दुर्गा सरला गायत्री वर्षाधान	सीआर धान 100 सीआर धान 102 सीआर धान 108 सीआर धान 203 सीआर धान 205 सीआर धान 206 सीआर धान 207 सीआर धान 209 सीआर धान 211 सीआर धान 212 सीआर धान 214 सीआर धान 807	सीआर धान 307 सीआर धान 310 सीआर धान 311 सीआर धान 312 सीआर धान 314 सीआर धान 315 सीआर धान 316 सीआर धान 317 सीआर धान 319 सीआर धान 321 सीआर धान 324 सीआर धान 326	सीआर धान 800 सीआर धान 801 सीआर धान 802 सीआर धान 810 सीआर धान 811 सीआर धान 408 सीआर धान 409 सीआर धान 410 सीआर धान 411 सीआर धान 412 सीआर धान 413 सीआर धान 414	सीआर धान 405 सीआर धान 403 सीआर धान 412 सीआर धान 414 लुणीश्री लुणा बरियल	सीआर धान 701 सीआर धान 702 सीआर धान 703 सीआर धान 706 अजय राजलक्ष्मी

	वंदना सहभागीधान	सीआर धान 327 सीआर धान 329 सीआर धान 331 सीआर धान 332 सीआर धान 337 सीआर धान 804 सीआर धान 805 सीआर धान 809	सीआर धान 416 स्वर्णा स्वर्णा सब 1 पुजा पुजा सब 1 सीआर धान 109 सब 1		